डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी दिवस समारोह - 2023

हिन्दी पखवाड़ा प्रतिवेदन

(दिनांक 14 से 29 सितम्बर, 2023)

राजभाषा प्रकोष्ठ

NAAC A+
Accredited University
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हिन्दी दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
14 सितम्बर 2023
हिन्दी
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
Follow us on & @Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar @DoctorGour @sagaruniversity

हिन्दी पखवाड़ा - 2023

(14-29 सितम्बर, 2023)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार एवं विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा **हिन्दी दिवस** को हिन्दी पखवाड़ा के रूप में दिनांक 14 सितम्बर, 2023 से 29 सितम्बर, 2023 तक आयोजित किया गया। **इस वर्ष हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियां डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के 'राजभाषा प्रकोष्ठ', 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली' एवं विश्वविद्यालय के 'हिन्दी क्लब' के साथ मिलकर आयोजित की गईं।**

अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी दिवस का राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुभारंभ 14 सितम्बर, 2023 को पुणे महाराष्ट्र में किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से उक्त कार्यक्रम में प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागिता की। विश्विवद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी के समन्वयन में 14 सितम्बर को आचार्य नंददुलारे बाजपेयी सभागार में मनाया गया । पखवाड़ा का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में दिनांक 29, सितम्बर, 2023 को माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया । हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण **अनुलग्न-1** के रूप में संलग्न है।

हिन्दी दिवस समारोह एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन पुणे (महाराष्ट्र)

(14 एवं 15 सितम्बर, 2023)

माननीय श्री अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समस्त केन्द्रीय कार्यालयों हेतु हिन्दी दिवस समारोह तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स, बालेवाड़ी, पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया। राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार समस्त केन्द्रीय कार्यालयों हेतु हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन संयुक्त रूप से इसी कार्यक्रम में किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार श्री अमित शाह ने अपना वीडियो संदेश प्रेषित किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत सालों से विविध भाषाओं का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषाओं की विविधिता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम हिंदी है। हिंदी एक जनतांत्रिक भाषा रही है। इसने अलग-अलग भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ कई वैश्विक भाषाओं को सम्मान देने का काम किया है। हिंदी दिवस के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कि हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आंदोलन में देश को एकसूत्र में बांधने का अभूतपूर्व काम किया है। इसने अनेक भाषाओं और बोलियों में बंटे देश में एकता की भावना स्थापित की।

हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा कार्यक्रम के दौरान श्री राजेश श्रीवास्तव, उपनिदेशक, राजभाषा, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली भारत सरकार के साथ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में स्वराज प्राप्ती और स्वभाषा के आंदोलन के एक साथ चल रहे थे स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता प्राप्ती के बाद हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने 14 सिंतबर 1949 के दिन हिंदी को देश की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था. किसी भी देश की मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषाओं में ही की जा सकती है। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में गृह राज्य मंत्री माननीय श्री अजय मिश्र, सचिव राजभाषा विभाग, श्रीमती अंशुली आर्या, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तहरी माहताब, न्यूज एंकर रुबिका लियाकत, शायर आलोक श्रीवास्तव, सुप्रसिद्ध गीतकार समीर, मशहूर पटकथा लेखक एवं निर्देशक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी एवं सिने स्टार आशुतोष राणा सहित हजारों की संख्या में हिन्दी से जुड़े अधिकारीगण एवं हिन्दी प्रेमी उपस्थित रहे।

(अनुलग्नक-2)

विश्वविद्यालय में आयोजित उद्घाटन समारोह

(14 सितम्बर, 2023)

'राजभाषा संवर्धन में उच्चतर शिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान की अष्टम अनूसूची में दर्ज 22 भारतीय भाषाओं में से अधिकांश अपने राज्यों में राजभाषा की भूमिका का भी निर्वहन कर रही हैं जबकि केन्द्रीय स्तर पर यह भूमिका हिन्दी भाषा निभा रही है। देश के उच्चतर शिक्षण संस्थान इन भाषाओं के साहित्य के साथ-साथ लिपि एवं प्रयोजनीयता को निरंतर संवर्धित एवं संरक्षित कर रहे हैं।' यह बात डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 'हिन्दी पखवाड़ा' के उद्घाटन समारोह में मूर्धन्य साहित्यकार एवं विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने कही। **हिन्दी पखवाड़ा का यह उद्घाटन समारोह राजभाषा प्रकोष्ठ एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।** उक्त अवसर पर न्यास के राष्ट्रीय सचिव माननीय डॉ. अतुल कोठारी जी ने भी भारत के स्वाभिमान की प्रतीक राजभाषा हिन्दी के संवर्द्धन के लिए सतत् प्रयत्नशील रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं आलोचक एवं साहित्यकार डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय ने अपने अध्ययक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय भाषाओं एवं राजभाषा के संबर्धन में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के भाषा विभाग अनवरत प्रयत्नशील हैं इसी का परिणाम है कि भाषा विभागों में पाठ्यक्रमों को समय सापेक्ष अद्यतन किया जा रहा है और उन्हें अधिक रोजगारोन्मुख बनाया जा रहा है। कार्यक्रम की प्रस्तावना हिन्दी विभाग के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र यादव ने रखी। कार्यक्रम में श्री राजकुमार पाल, सहायक कुलसचिव ने हिन्दी पखवाड़ा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी से सहभागिता करने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में विभाग की वरिष्ठ आचार्य प्रो. चंदा बैन, डॉ. राजेन्द्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु, डॉ. अफरोज़, डॉ. अरविन्द, डॉ. अवधेश, डॉ. सुजाता मिश्रा, डॉ. किरण आर्या, डॉ. नौनिहाल गौतम, डॉ. संजय कुमार, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. वसीम अनवर, डॉ. शशिकुमार सिंह, डॉ. बबलू राय, डॉ. अरविन्द गौतम, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार ने किया ने किया। आभार ज्ञापन श्री राजभाषा प्रकोष्ठ के श्री अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक एवं मोहम्मद सलीम का रहा ।

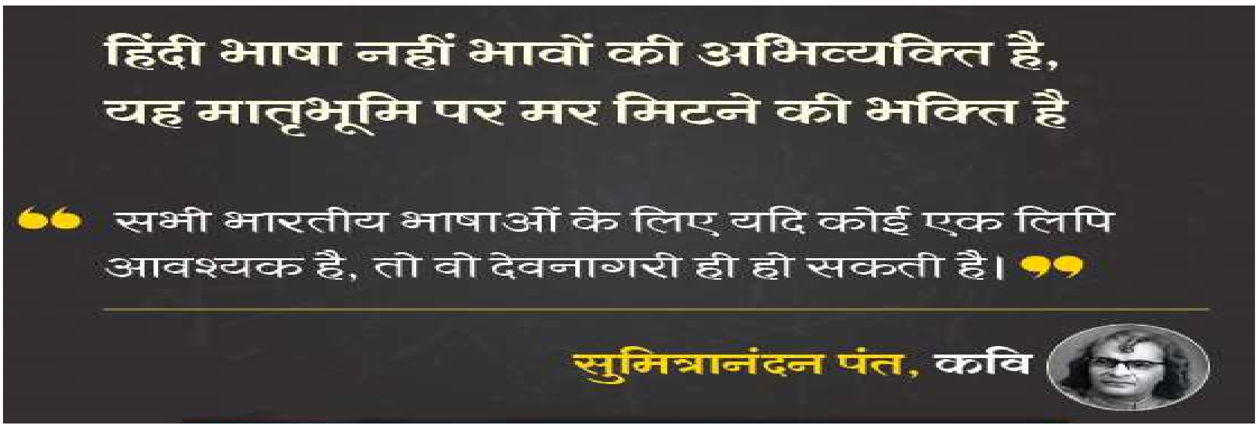

हिन्दी विभाग एवं भारतीय भाषा मंच, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मातृभाषा में शिक्षण विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता

(21 सितम्बर, 2023)

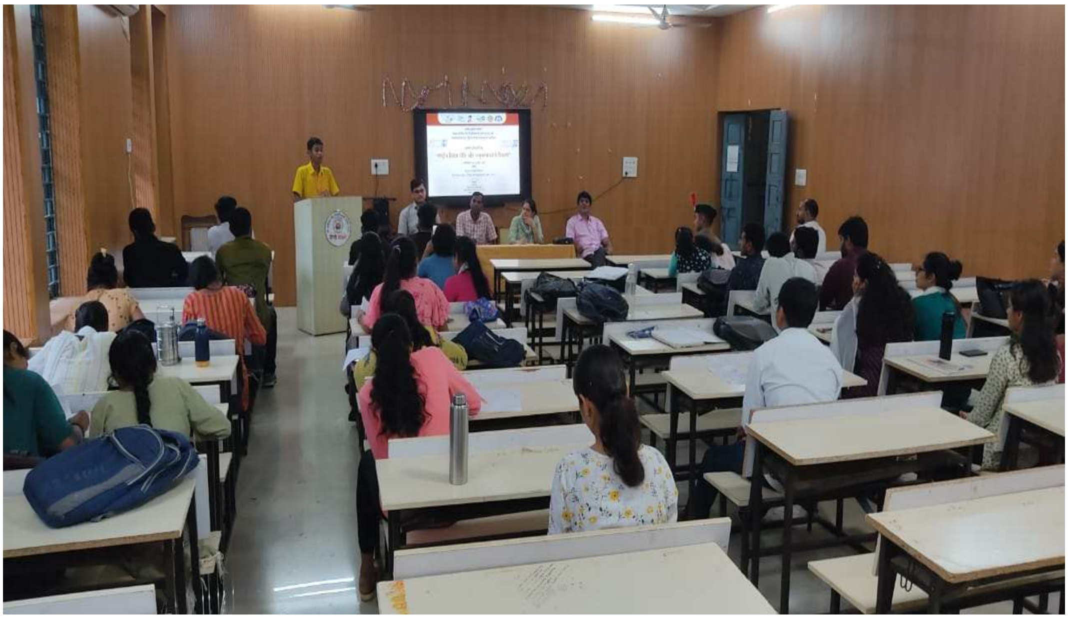

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मातृभाषा में शिक्षण विषय पर भाषा अध्ययनशाला, हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्यप्रदेश और भारतीय भाषा मंच, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में हिन्दी विभाग के आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मातृभाषा में शिक्षण विषय से संबंधित सभी पक्षों पर अपनी बात रखी। मातृभाषा में शिक्षण की चुनौतियों को रेखांकित किया, साथ ही इसकी विशेषताओं तर्कपूर्ण ढंग से उजागर किया। मार्गदर्शन कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर चन्दा बेन और हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी का रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेन्द्र यादव ने की और भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, डॉ. अफरोज बेगम, डॉ. अरविंद कुमार रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवेधश कुमार ने किया और आभार शैलेन्द्र सिंह ने माना। इस दौरान हिंदी विभाग के शोधार्थी ज्योति गिरी, सीमा, हरिओम, हरिशंकर, गव्वर सिंह, सूर्यकांत त्रिपाठी, सृष्टी, कृति के साथ अनेक अन्य विभागों के शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(अनुलग्नक - 3)

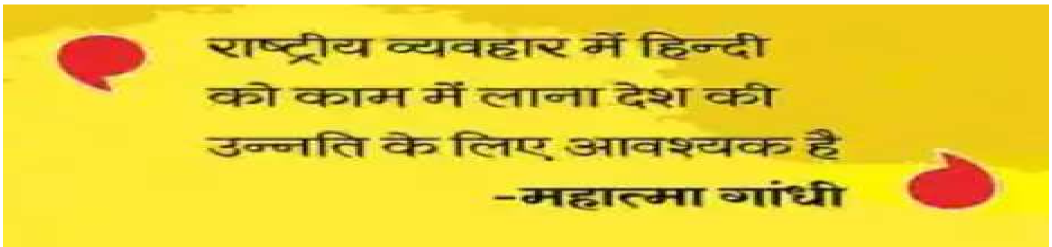

हिन्दी गीतमाला एवं नाट्यकला प्रदर्शन

('हिन्दी क्लब एवं राजभाषा प्रकोष्ठ' का संयुक्त आयोजन)

(18 सितम्बर, 2023)

भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का मंच है 'हिन्दी क्लब' यह बात डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिंदी गीतमाला एवं नाट्यकला प्रदर्शन' कार्यक्रम के दौरान 'हिन्दी क्लब' की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कही। प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माननीया कुलपति महोदया के मार्गदर्शन से गठित हिन्दी क्लब हिन्दीतर भाषी विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों के लिए एक अनूठा मंच है जहां न केवल संस्कृतियों के परस्पर सम्मिलन का बल्कि अपनी प्रतिभा एवं संस्कृति को प्रस्तुत करने का भरपूर अवसर है। परिसर की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाते हुए, हिंदी क्लब का उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की शुरुआत संगीत विभाग के स्नातकोत्तर छात्र अंशुल आठिया की मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज से हुई, इसके बाद राज जैन ने "मेरे प्यारे वतन", एक कविता और हिंदी विभाग के पीएचडी विद्वान सिद्धांत शर्मा ने एक ग़ज़ल प्रस्तुत की। वंशिका व्यास, स्तुति हंपरिया और अंशिका तिवारी ने मासूम, मेरा साया, सत्यम शिवम सुंदरम के खूबसूरत गाने गाए। मधुस्मृति अधिकारी ने 'हमारी अटरिया' को बंगाली टच के साथ प्रस्तुत किया। शोएब, हामिद और आलिया के जैमिंग सत्र सहित मलयाली

प्रदर्शन एक आनंदमय संगीत प्रस्तुति थी। इस महोत्सव ने इस विश्वविद्यालय के गैर-हिंदी भाषियों की कला को उभारने और उन्हें बुंदेलखण्ड की कला, संगीत और संस्कृति के विविध अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए हिंदी क्लब की गतिविधियों की शुरुआत की। आदित्य प्रकाश, अनंत, अभिषेक, राघवेंद्र सिंह और हितांशी पमनानी समेत कई कलाकारों ने इस कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग दिया। 'हिन्दी क्लब' के संयोजक डॉ. राकेश सोनी, सहायक प्राध्यापक, ललित कला विभाग ने विद्यार्थियों से इसी उत्सारह के साथ 'हिन्दी क्लब' से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. अवधेश तोमर, डॉ. चिट्टीबाबू, डॉ. अभिषेक जैन सहित संगीत विभाग के संगतकार बंधु यशगोपाल, गगनराज, संजय, मैकलिन, शुभम, ज्योर्तिमय तथा विभिन्न विभागों के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शोध छात्रा सलोनी शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता

विषय : राजभाषा का विकास एवं विस्तार

(19 सितम्बर, 2023)

चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है- इसी भावना को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे मनोयोग से सुंदर चित्र पोस्टर पर उकेरे। इस अवसर पर प्रभारी हिन्दी अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक श्री संतोष सोहगौरा तथा राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं श्री विनोद रजक उपस्थित रहे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है बल्कि यश एवं धन भी अर्जित किया जा सकता है। प्रतियोगिता का विषय 'राजभाषा का विकास एवं विस्तार' था।

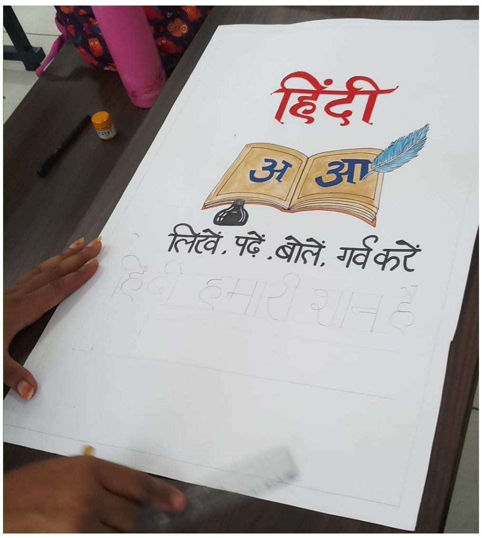

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

(विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04 के विद्यार्थियों हेतु)

(20 सितम्बर, 2023)

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 में किया गया। 'किसी भी समाज की संरचना में भाषा एक महत्वपूर्ण घटक है इस नाते हमारे देश भारत के विशेष संदर्भ में हिन्दी भाषा का विशेष महत्व है।' उक्त बात प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने कही। भावी पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में हिन्दी भाषा के महत्व की समझ विकसित करने के उद्देश्य से आज विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों हेतु विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत 'हिन्दी भाषा का महत्व एवं समाज में उसका योगदान' विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी, प्रतियोगिता में 60 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की । प्रतियोगिता के समन्वयन का कार्य केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04 के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) श्री रोहित चौरसिया ने किया । इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04 के प्राचार्य, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक श्री महेन्द्र सिंह राजपूत, हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा, राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से श्री अभिषेक सक्सेना एवं श्री विनोद रजक आदि उपस्थित रहे ।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

(शासकीय माध्यमिक शाला पथरिया जाट के विद्यार्थियों हेतु)

(21 सितम्बर, 2023)

शासकीय माध्यमिक शाला ग्राम पथरिया जाट के 'नौनिहालों ने अभिव्यक्त किया हिन्दी के प्रति प्रेम'। अवसर राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर द्वार आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के तहत गोद लिए गए ग्राम पथरिया जाट की शासकीय माध्यमिक शाला के छात्र-छात्राओं ने अपनी मातृभाषा और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति प्रदान करते हुए 'महात्मा गांधी और हिन्दी' विषय पर आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने कहा कि मनुष्य अपनी भावनाओं की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही कर सकता है । इसलिए अपनी भाषा और संस्कृति पर सदैव गर्व करना चाहिए ।

कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य श्री बृजेश दुबे, शिक्षकगणों में श्रीमती अभिलाषा मिश्रा, श्रीमती नीलम जैन, श्रीमती रचना मिश्रा, श्रीमती ज्योति तिवारी, कुमारी सीमा भारद्वाज एवं राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक उपस्थित रहे ।

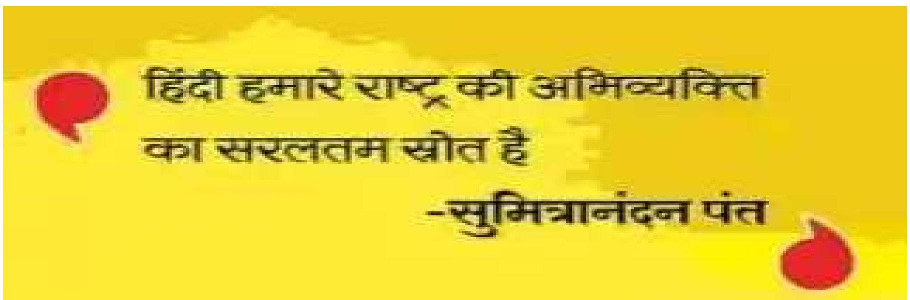

हिन्दी पत्र लेखन का प्रशिक्षण

(22 सितम्बर, 2023)

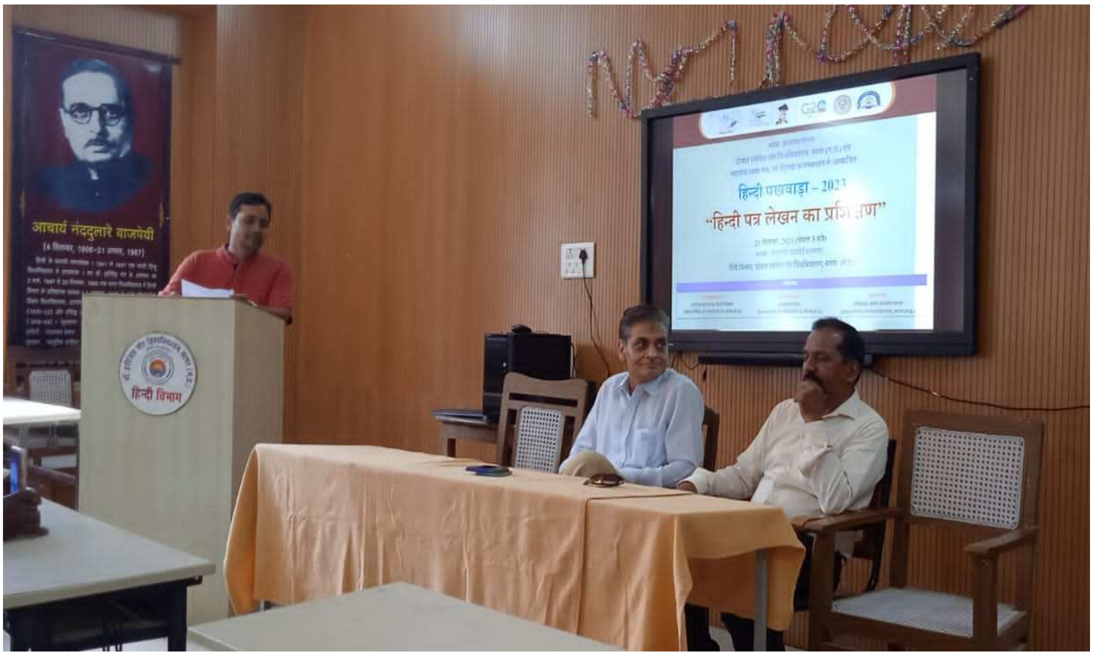

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) एवं भारतीय भाषा मंच, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी विभाग के आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार में 'हिन्दी पत्र लेखन प्रशिक्षण' कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव, श्री सतीश कुमार ने हिन्दी पत्र लेखन के व्यवहारिक पक्ष को समझाते हुए कहा कि पत्र लेखन दैनिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है जिसमें अनौपचारिक पत्रों के साथ ही औपचारिक पत्र आते हैं। उन्होंने शोधार्थियों विद्यार्थियों से संवाद करते हुए जिज्ञासाओं का निराकरण किया तथा प्रशासनिक सेवाओं में लिखे जाने वाले पत्रों के व्यवहारिक पक्ष से अवगत कराया।जिसमें उन्होंने शासकीय पत्र, अशासकीय पत्र, परिपत्र, प्रतिवेदन, कार्यालयीन आदेश, टिप्पण लेखन आदि पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यशाला की अध्यक्षता हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आनन्दप्रकाश त्रिपाठी द्वारा की गई। आभार डॉ. अरविंद कुमार द्वारा माना गया। संचालन डॉ अवधेश कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक श्री प्रदीप कुमार सौंर, हरिओम, हरिशंकर, रामधीरज, गोविंद, श्रृष्टि सिंह, दुर्गेश कुमार, शेरसिंह, नेहा दुबे, गव्वर बौद्ध, सिद्धांत, गोपाल के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शोधार्थी और विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

हिन्दी टंकण प्रतियोगिता

(विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु)

(25 सितम्बर, 2023)

विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ् द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कार्मिकों के लिए 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए टंकण का ज्ञान बहुत आवश्यक है, यह प्रतियोगिता उसी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का अवसर है। प्रतियोगिता के समन्वयक की भूमिका का निर्वहन तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. के.के. राव ने किया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सर्राफ की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और श्री विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

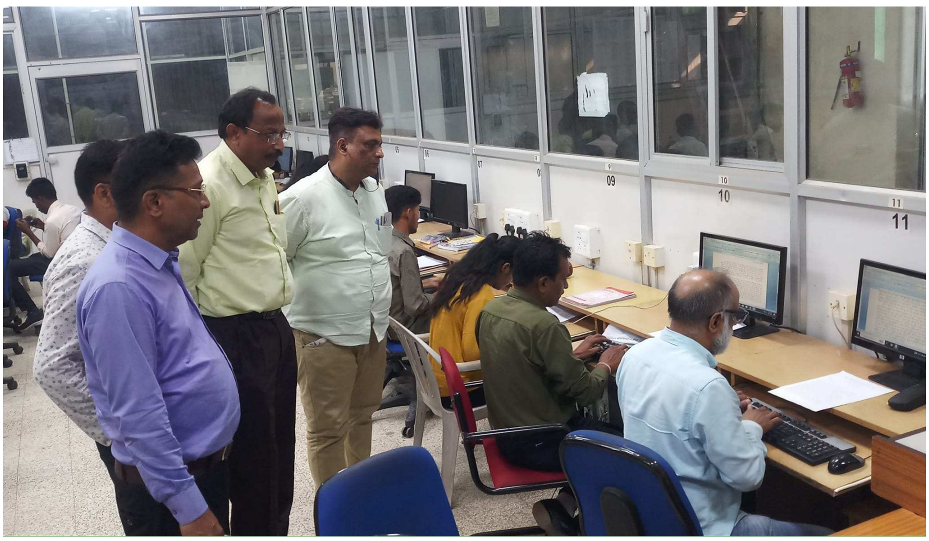

आशुभाषण प्रतियोगिता

(विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)

(26 सितम्बर, 2023)

राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने समसामायिक विषयों जैसे भारत की डिजिटल यात्रा, G-20 सम्मेलन, उच्च शिक्षा में हिन्दी, वर्तमान समय में गांधीवाद की प्रासंगिकता, भारतीय संस्कृति आदि विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए । इस अवसर पर निर्णायक एवं प्रतियोगिता समन्वयक की भूमिका के दायित्व का निर्वाहन करते हुए प्रभारी हिन्दी अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे को लेकर तथा उससे जुड़ी कार्यान्वयन नीतियों के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों का अभिमत एक अलग स्थान रखता है। प्रतियोगिता में डॉ. संजीव सर्राफ, डॉ. भूपेन्द्र कुमार पटेल, श्री माधवचंद्र, श्री रूपेन्द्र चौरसिया, श्री राजकुमार पाल, श्री सतीश कुमार, डॉ. विवेक बी साठे, श्रीमती ए. लक्ष्मी, श्री अभिषेक सक्सेना, श्री विनोद रजक आदि उपस्थित थे ।

काव्यांजलि

(विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु)

(27 सितम्बर, 2023)

राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आज जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागार में विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने अपने मनोभावों की सुन्दय अभिव्यक्ति अपने रचना पाठ के माध्यम से की । मंच था काव्याँजलि का इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने अपनी कविता 'बिखराव' तथा 'प्रेम की ज्यामिति' से सभा को भावविभोर कर दिया । कार्यक्रम के संयोजक प्रभारी हिन्दी अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने अपनी जन्मभूमि पर कविता 'मध्यप्रदेश महान' के माध्यम से अपने मातृप्रदेश का गुणगान किया।

कार्यक्रम में डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर, डॉ. महेन्द्र कुमार, डॉ. अनूपी समैया, डॉ. देवकी नंदन शर्मा, शेख एहसान, पंकज मिश्रा, सृष्टि सिंह, हरिशंकर काछी, अर्पित सिंह, आयुष दांगी, राघव यादव आदि ने अपनी श्रेष्ठतम स्वरचित कविताओं के साथ समा बांधा। कवियों द्वारा प्रस्तुत कविताओं में निहित विविधताओं एवं मानवीय सरोकारों ने श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा। कार्यक्रम का सुंदर एवं रोचक संचालन शोध छात्रा ईषा शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. रेखा सोलंकी, डॉ. संजीव सर्राफ, श्री विनोद रजक, शोध छात्र, विद्यार्थीगण, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे ।

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

(29 सितम्बर, 2023)

एक-दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है : कुलपति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह -2023 हिन्दी पखवाड़ा का शुक्रवार को समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने स्वागत किया। विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन 14 से लेकर 29 सितम्बर तक हुआ। इस दौरान हिन्दी को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए अनेक तरह के कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय में आयोजित की गई।

जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागार में हिन्दी पखवाड़े के समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हिन्दी पखवाड़े को सही मायने में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने मनाया और हिन्दी भाषा को आगे ले जाने के लिए विश्वविद्यालय हरसंभव प्रसास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एक हिन्दी प्रदेश है। सीयूसीटी के माध्यम से एडमिशन होने पर अलग-अलग राज्य से बच्चे विश्वविद्यालय आने लगे और यह प्रसन्नता का विषय है कि वर्तमान में 12 प्रदेश के शिक्षक विश्वविद्यालय में पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर भाषा के छोटे-छोटे समूह विश्वविद्यालय में बनने चाहिए, ताकि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं एक दूसरे की भाषा बोलना और समझना सीख सकें। उन्होंने कहा कि भारत एक है यह हमें मानकर चलना चाहिए। वन अर्थ के कांसेप्ट पर चलना है तो एक-दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है।

इस अवसर पर हिन्दी विभाग के प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दी पखवाड़ा वर्ष भर चलते रहना चाहिए। हिन्दी के साथ हमारा जीवन भर का जुड़ाव है। हिन्दी अभिव्यक्ति की एक जीवन रेखा है। हिन्दी को लेकर कोई संकट नहीं है। हिन्दी को लेकर वर्तमान में बहुत सारा काम हो रहा है। हिन्दी को लिखना पढ़ना और जीना जरूरी है। हिन्दी का स्वरूप बहुआयामी है। 'हिन्दी क्लब' की शुरूआत कुलपति जी की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में हुई है जो काफी सुखद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने कहा कि माननीया कुलपति महोदया के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में हिन्दी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभी जुलाई माह में ही माननीय प्रधानमंत्री जी ने 'शिक्षा समागम' के अवसर पर भारतीय भाषाओं में लिखित पुस्तकों का विमोचन किया था जिसमें से 12 पुस्तकें विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा तैयार की गयी थीं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं का

पुरस्कार वितरण भी कुलपति द्वारा किया गया। कुलपति महोदया ने एक उत्कृष्ट एवं सर्वसमावेशी कार्यक्रम के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ एवं विशेषतौर पर हिन्दी अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा की प्रशंसा की। विजयी प्रतिभागियों में शिक्षक, कर्मचारी, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और स्कूल के विद्यार्थी सम्मिलित रहे। समापन समारोह का संचालन डॉ. संजीव सर्राफ ने किया और आभार संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर विश्वविद्यालय की कार्य परिषद के सम्माननीय सदस्य प्रो. अतुल एम. गोंसाई ने गरिमामयी उपस्थिति से सभी को लाभान्वित किया। **(अनुलग्नक - 4)**

समाचार पत्रों की कतरनें

आयोजन

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

एक-दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है : कुलपति

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह -2023 हिंदी पखवाड़ा' का शुक्रवार को समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने स्वागत किया। विवि में हिंदी पखवाड़े का आयोजन 14 से लेकर 29 सितंबर तक हुआ। इस दौरान हिंदी को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए अनेक तरह के कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय में आयोजित की गईं।

कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। ● नवदुनिया

जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागार में हिंदी पखवाड़े के समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हिंदी पखवाड़े को सही मायने में डा. हरीसिंह विवि ने मनाया और हिंदी भाषा को आगे ले जाने के लिए विवि हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एक हिंदी प्रदेश है। सीयूसीटी के माध्यम से एडमिशन होने पर अलग अलग राज्य से बच्चे विवि आने लगे और यह प्रसन्नता का विषय है कि वर्तमान में 12 प्रदेश के शिक्षक विवि में पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर भाषा के छोटे-छोटे समूह विवि में बनने चहिए, ताकि विवि के छात्र-छात्राएं एक दूसरे की भाषा बोलना और समझना सीख सकें। उन्होंने कहा कि भारत एक है यह हमें मानकर चलना चाहिए। वन अर्थ के कांसेप्ट पर चलना है तो एक-दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है।

हिंदी पखवाड़ा वर्ष भर चलते रहना चाहिए : इस अवसर पर हिंदी विभाग के प्रो आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी पखवाड़ा वर्ष भर चलते रहना चाहिए। हिंदी के साथ हमारा जीवन भर का जुड़ाव है। हिंदी अभिव्यक्ति की एक जीवन रेखा है। हिंदी को लेकर कोई संकट नहीं हैं। हिंदी को लेकर वर्तमान में बहुत सारा काम हो रहा है। हिंदी को लिखना, पढ़ना और जीना जरूरी है। हिंदी का स्वरूप बहुआयामी है। हिंदी क्लब की शुरुआत कुलपति की प्रेरणा से विवि में हुई है जो काफ़ी सुखद है। कार्यक्रम के दौरान विवि में आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी कुलपति द्वारा किया गया। विजयी प्रतिभागियों में शिक्षक, कर्मचारी विवि के विद्यार्थी और स्कूल के विद्यार्थी सम्मिलित रहे। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन डा. संजीव सराफ ने किया और आभार संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया। इस दौरान प्रो. अतुल एम गोंसाई मंचासीन रहे।

सागर, देशबन्धु। विश्वविद्यालय में आयोजित हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के विद्यार्थियों को निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए कुलपति प्रो. नीलीमा गुप्ता द्वारा पुरस्कृत किया गया। कक्षा 8 के आदित्य गौतम ने प्रथम, आराध्या मिश्रा ने द्वितीय तथा वेदिका दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के शिक्षक मनोज कुमार नेमा द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। नवागत प्राचार्य आरएस वर्मा ने विजेताओं को बधाईयां दी।

एक-दूसरे की भाषा समझना आवश्यक, इसी से भाषाओं की समृद्धि और विकास संभव: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में हिन्दी दिवस समारोह 2023 हिन्दी पखवाड़ा का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यक्रम में पधारें अतिथियों का स्वागत किया गया, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का स्वागत शॉल और स्मृति चिन्ह देकर संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। उन्होंने पखवाड़े का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का आयोजन 14 से लेकर 29 सितंबर तक हुआ। इस दौरान हिंदी को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए अनेक तरह के कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं विवि में आयोजित की गई। समापन और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हिंदी पखवाड़े को सही मायने में डॉ. हरीसिंह विवि ने मनाया और हिंदी भाषा को आगे ले जाने के लिए विवि द्वारा हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। मप्र एक हिंदी प्रदेश है। हर भाषा के छोटे-छोटे समूह विवि में बनने चहिए, ताकि विवि के छात्र-छात्राएं एक दूसरे की भाषा बोलना और समझना सीख सकें। भारत एक है यह हमें मानकर चलना चाहिए। वन अर्थ के कांसेप्ट पर चलना है तो एक दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है। हिंदी विभाग के प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी पखवाड़ा वर्ष भर चलते रहना चाहिए। हिंदी के साथ हमारा जीवन भर का जुड़ाव है। हिंदी अभिव्यक्ति की एक जीवन रेखा है। हिंदी क्लब की शुरुआत कुलपति की प्रेरणा से विवि में हुई है। जो काफी सुखद है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के हाथों से किया गया। विजयी प्रतिभागियों में शिक्षक, कर्मचारी विवि के विद्यार्थी और स्कूल के विद्यार्थी सम्मिलित रहे। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव सराफ ने किया और आभार संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया।

विवि में हिंदी पखवाड़े का समापन

नवभारत न्यूज

सागर 29 सितंबर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ.

समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. सरस्वती वंदना की स्तुति डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने दी. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने पखवाड़े का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हिंदी पखवाड़े को सही मायने में डॉ. हरीसिंह विवि ने मनाया और हिंदी भाषा को आगे ले जाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा हरसंभव प्रयास किया जा रहा है. कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी कुलपति प्रो. गुप्ता ने किया. समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव सराफ ने किया. इस दौरान प्रो. अतुल एम. गोंसाई सहित विश्वविद्यालय के सभी अध्यापकगण, कर्मचारी, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व करना चाहिए : सोहगौरा

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा में उन्नत भारत अभियान के तहत पथरिया जाट की शासकीय माध्यमिक शाला को गोद लिया गया है। गुरुवार को स्कूल के छात्र-छात्राओं ने महात्मा गांधी और हिन्दी' विषय पर आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के संयोजक, प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा मनुष्य अपनी भावनाओं की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही कर सकता है। इसलिए अपनी भाषा और संस्कृति पर सदैव गर्व करना चाहिए। स्कूल के प्राचार्य बृजेश दुबे, शिक्षक अभिलाषा मिश्रा, नीलम जैन, रचना मिश्रा, ज्योति तिवारी, सीमा भारद्वाज व राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से अभिषेक सक्सेना व विनोद रजक उपस्थित रहे। इसी तारतम्य में शुक्रवार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए 'तकनीकी के युग में भारतीय भाषाओं का भविष्य' विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार हिन्दी विभाग में किया जाएगा।

नौनिहालों ने अभिव्यक्त किया हिंदी के प्रति प्रेम

सागगर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ सागर द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला ग्राम पथरिया जाट में हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के तहत गोद लिए गए ग्राम पथरिया जाट की शासकीय माध्यमिक शाला के छात्र-छात्राओं ने अपनी मातृभाषा और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति प्रदान करते हुए महात्मा गांधी और हिंदी विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि मनुष्य अपनी भावनाओं की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही कर सकता है। इसलिए अपनी भाषा और संस्कृति पर सदैव गर्व करना चाहिए।

कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य बृजेश दुबे, अभिलाषा मिश्रा, नीलम जैन, रचना मिश्रा, ज्योति तिवारी, कुमारी सीमा भारद्वाज, अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक उपस्थित रहे।

हिन्दी पखवाड़ा : निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

नौनिहालों ने अभिव्यक्त किया हिन्दी के प्रति प्रेम

सागर, देशबन्धु। राजभाषा प्रकोष्ठ डॉ. हरीसिंह गौर विवि द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए ग्राम पथरिया जाट की शास. माध्य. शाला के छात्र-छात्राओं ने अपनी मातृभाषा और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति प्रदान करते हुए महात्मा गांधी और हिन्दी विषय पर आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि मनुष्य अपनी भावनाओं की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही कर सकता है। इसलिए अपनी भाषा और संस्कृति पर सदैव गर्व करना चाहिए। कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य बृजेश दुबे, शिक्षकगणों में अभिलाषा मिश्रा, नीलम जैन, रचना मिश्रा, ज्योति तिवारी, सीमा भारद्वाज एवं राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक उपस्थित रहे। इसी तारतम्य में विश्वविद्यालय द्वारा आज विश्वविद्यालय के शिक्षकों हेतु तकनीकी के युग में भारतीय भाषाओं का भविष्य विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार, हिन्दी विभाग में किया गया है।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

जागरण, सागर। राजभाषा प्रकोष्ठ डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए ग्राम पथरिया जाट की शासकीय माध्यमिक शाला के छात्र-छात्राओं ने अपनी मातृभाषा और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति प्रदान करते हुए महात्मा गांधी और हिन्दी विषय पर आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य बृजेश दुबे, शिक्षकगणों में अभिलाषा मिश्रा, नीलम जैन, रचना मिश्रा, ज्योति तिवारी, कुमारी सीमा भारद्वाज एवं राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक उपस्थित रहे।

सागर, गुरुवार 21 सितंबर, 2023 | 05

केंद्रीय विद्यालय-4 में हुई प्रतियोगिता, 60 विद्यार्थियों ने हिंदी के महत्व एवं योगदान पर लिखा निबंध

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-4 में विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़े के तहत हिंदी भाषा का महत्व एवं समाज में उसका योगदान विषय पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 60 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता समन्वय का कार्य केवी-4 के शिक्षक रोहित चौरसिया ने किया। इस मौके पर केवी-4 के प्राचार्य, शिक्षक महेंद्र सिंह राजपूत, हिंदी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा, राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना, विनोद रजक आदि मौजूद थे। गुरुवार को शासकीय माध्यमिक शाला पथरिया जाट के विद्यार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई जाएगी।

शिवानी पुत्री मन्नू ... को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

केवी-4 के विद्यार्थियों ने निबंध में बताया हिंदी भाषा का महत्व

सागर@पत्रिका. हिंदी पखवाड़े के तहत डॉ.हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय परिसर स्थित केवी-4 में निबंध लेखन प्रतियोगिता संपन्न हुई। हिंदी भाषा का महत्व एवं समाज के उसका योगदान विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में 60 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का समन्वय केंद्रीय विद्यालय-4 के स्नातक शिक्षक रोहित चौरसिया ने संभाला। इस अवसर पर प्राचार्य, शिक्षक महेन्द्र सिंह राजपूत, हिंदी पखवाड़ा संयोजक एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा, राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना, विनोद रजक मौजूद रहे। पखवाड़े के तहत 21 सितम्बर को शासकीय माध्यमिक शाला पथरिया जाट में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

दैनिक भास्कर

सागर 19-09-2023

हिंदी पखवाड़ा : विवि में हिंदी गीतमाला एवं नाट्यकला कार्यक्रम हुआ

मानसिक विकास ही सफलता नहीं, आंतरिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन भी जरूरी है: सोहगौरा

भास्कर संवाददाता | सागर

विद्यार्थी विश्वविद्यालय एवं राष्ट्र की अमूल्य निधि हैं। केवल मानसिक विकास ही सफलता का मानक नहीं है, बल्कि उनकी आंतरिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन भी जरूरी है। उनकी इसी अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करेगा, विश्वविद्यालय का नवगठित हिंदी क्लब।

यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिंदी गीतमाला एवं नाट्यकला प्रदर्शन कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कुलपति के मार्गदर्शन में गठित हिंदी क्लब हिन्दीतर भाषी विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों के लिए एक अनूठा मंच है। जहां न केवल संस्कृतियों के परस्पर सम्मिलन का बल्कि अपनी प्रतिभा एवं संस्कृति को प्रस्तुत करने का भरपूर अवसर है। अध्यक्षता कर रहे हिंदी क्लब की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने कहा भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का मंच हिंदी क्लब है। उद्घाटन सत्र में अंशुल आठिया, राज जैन, सिद्धांत शर्मा ने गीत, कविता, गजल आदि की प्रस्तुति दी। वंशिका व्यास, स्तुति खंपरिया और अंशिका तिवारी, मधु स्मृति अधिकारी, शोएब, हामिद और आलिया आदि ने भी प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के गैर-हिंदी भाषियों की कला को उभारने और उन्हें बुंदेलखंड की कला, संगीत और संस्कृति के विविध अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए हिंदी क्लब की गतिविधियों की शुरुआत हुई। आदित्य प्रकाश, अनंत, अभिषेक, राघवेंद्र सिंह और हितांशी पमनानी समेत कई कलाकारों ने इस कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग दिया। डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों से इसी उत्साह के साथ हिंदी क्लब से जुड़ने की अपील की।

कार्यक्रम में डॉ. अवधेश तोमर, डॉ. चिट्टीबाबू, डॉ. अभिषेक जैन, विनोद रजक आदि मौजूद थे। संचालन सलोनी शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया।

सागर। कार्यक्रम को संबोधित करते संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा।

हिंदी क्लब का उद्घाटन

विद्यार्थियों ने अलग-अलग भाषा में दी गीतों की प्रस्तुति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. भारत की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का मंच है 'हिन्दी क्लब। यह बात डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वाविद्यालय में हिंदी गीतमाला व नाट्य कला प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कही।

प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने हिन्दी क्लब हिन्दीतर भाषी विद्यार्थियों व विश्वविद्यालय के अन्य सदस्यों के लिए एक अनूठा मंच है। हिंदी क्लब के उद्घाटन सत्र की शुरूआत संगीत विभाग के छात्र अंशुल आठिया ने की। राज जैन ने 'मेरे प्यारे वतन', एक कविता और हिंदी विभाग के शोध छात्र सिद्धांत शर्मा ने एक गजल प्रस्तुत की। वंशिका व्यास, स्तुति हंपरिया और अंशिका तिवारी ने मासूम, मेरा साया, सत्यम शिवम सुंदरम गीत गाए।

मधुस्मृति दास ने'हमरी अटरिया' को बंगाली भाषा में प्रस्तुत किया। शोएब, हामिद और आलिया ने जैमिंग सत्र सहित मलयाली गीत की प्रस्तुति दी। आदित्य प्रकाश, अनंत, अभिषेक, राघवेंद्र सिंह और हितांशी पमनानी सहित कई कलाकारों ने फिल्मी गानों पर प्रस्तुति दी। डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों से उत्साह के साथ 'हिन्दी क्लब' से जुडने की अपील की। इस अवसर पर डॉ. अवधेश तोमर, डॉ. चिट्टीबाबू, डॉ. अभिषेक जैन सहित संगीत विभाग के संगतकार बंधु यशगोपाल, गगन राज, संजय, मैकेलिन, शुभम, ज्योर्तिमय व अन्य विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अनुलग्नक

अनुलग्नक - 1

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

ई–मेल : hindicell2015@gmail.com
दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्र. राभाप्र / 31 / 2023 / 2060 — 12 सितम्बर, 2023

परिपत्र

सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से विश्वविद्यालय में इस वर्ष भाषा पर्व हिन्दी दिवस को 'हिन्दी पखवाड़ा' के रूप में आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 14 सितम्बर, 2023 से आरम्भ होने वाले इस हिन्दी पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है –

कार्यक्रम विवरण
(दिनांक 14.09.2023 से 29.09.2023 तक)

क्र.	तिथि	कार्यक्रम विवरण	समन्वयन	कार्यक्रम स्थल
1.	14 सितम्बर, 2023 (गुरुवार) अपराह्न 02.00 बजे	**उद्घाटन समारोह** वक्तव्य : प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी विषय : 'राजभाषा संवर्धन में उच्चतर शिक्षा संस्थानों की भूमिका'	हिन्दी विभाग, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं राजभाषा प्रकोष्ठ का संयुक्त आयोजन	आचार्य नंददुलारे बाजपेयी सभागार, हिन्दी विभाग
2.	18 सितम्बर, 2023 (सोमवार) अपराह्न 03.00 बजे	हिन्दी गीतमाला एवं नाट्यकला प्रदर्शन ('हिन्दी क्लब' के सौजन्य से विश्वविद्यालय परिवार के लिए)	डॉ. राकेश सोनी सहायक प्राध्यापक (ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग)	अभिमंच सभागार
3.	19 सितम्बर, 2023 (मंगलवार) मध्याह्न 12.00 बजे	हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता विषय: राजभाषा का विकास एवं विस्तार (विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु)	डॉ. सुप्रभा दास सहायक प्राध्यापक (ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग)	ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग
4.	20 सितम्बर, 2023 (बुधवार)	हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता (केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04 के विद्यार्थियों हेतु)	प्राचार्य	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04
5.	21 सितम्बर, 2023 (गुरुवार)	हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता (शासकीय माध्यमिक शाला पथरिया जाट के विद्यार्थियों हेतु)	प्राचार्य	शासकीय माध्यमिक शाला, पथरिया जाट, सागर
6.	22 सितम्बर, 2023 (शुक्रवार) अपराह्न 02.00 बजे	हिन्दी भाषण प्रतियोगिता 'तकनीकी के युग में भारतीय भाषाओं का भविष्य' (विश्वविद्यालय के शिक्षकों हेतु) राजभाषा प्रकोष्ठ एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का संयुक्त आयोजन	डॉ. राजेन्द्र यादव एसोसिएट प्रोफेसर हिन्दी विभाग	आचार्य नंददुलारे बाजपेयी सभागार, हिन्दी विभाग
7.	25 सितम्बर, 2023 (सोमवार) अपराह्न 02.00 बजे	हिन्दी टंकण प्रतियोगिता (विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों हेतु)	डॉ. के. कृष्णा राव वरिष्ठ तकनीकी सहायक परीक्षा शाखा	कम्प्यूटर प्रयोगशाला जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय
8.	26 सितम्बर, 2023 (मंगलवार) अपराह्न 02.00 बजे	आशुभाषण प्रतियोगिता (विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)	हिन्दी अधिकारी	गौर समिति कक्ष, कुलपति सचिवालय

पेज 1 से 2 तक

9.	27 सितम्बर, 2023 (बुधवार) अपराह्न 02.00 बजे	काव्यांजलि (विश्वविद्यालय के शिक्षकों/ अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु)	प्रो. नवीन कानगो, डॉ. हिमांशु कुमार एवं श्री संतोष सोहगौरा	जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागार
10.	29 सितम्बर, 2023 (शुक्रवार) मध्याह्न 12.00 बजे	पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह मुख्य अतिथि मान. कुलपति महोदया	हिन्दी अधिकारी	जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागार

विश्वविद्यालय के समस्त सम्माननीय शिक्षकों, अधिकारियों, एवं कर्मचारियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेकर हिन्दी पखवाड़ा को सफल बनाएँ।

नोट-

1- दिनांक 22, 25 एवं 26 सितम्बर को आयोजित प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम पुरस्कार ₹1000/- द्वितीय पुरस्कार ₹700/- एवं तृतीय पुरस्कार ₹500/- का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा शेष प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेंगे। समस्त प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र दिनांक 29 सितम्बर, 2023 (शुक्रवार) को हिन्दी पखवाड़ा के 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' में प्रदान किया जायेगा।

2- प्रतियोगिताओं के परिणामों हेतु निर्णायक/सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

3- प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के इच्छुक विद्यार्थियों/शिक्षकों/अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना नाम प्रतियोगिता/आयोजन समन्वयक के पास प्रतियोगिता आयोजन तिथि से एक दिन पूर्व अनिवार्य रूप से अंकित करवाना होगा।

4- प्रतियोगिताओं हेतु नियम एवं दिशानिर्देश समन्वयक द्वारा प्रतियोगिता के पूर्व घोषित किए जायेंगे जो कि समस्त प्रतिभागियों हेतु बाध्यकारी होंगे।

5- प्रतियोगिताओं में 5 से कम प्रतिभागी होने पर प्रतियोगिता निरस्त कर दी जावेगी।

12/09/2023

(संतोष सोहगौरा)
हिन्दी अधिकारी (प्र.)

प्रतिलिपि :

1. समस्त निदेशक / अधिष्ठाता (प्रशासनिक एवं अध्ययनशालाएँ)
2. समस्त विभागाध्यक्ष।
3. समस्त अधिकारी / प्रभारी / शाखा प्रभारी। – कृपया अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को टीप कराने का कष्ट करें।
4. प्रभारी वेबसाइट प्रकोष्ठ / मीडिया अधिकारी – समुचित प्रचार–प्रसार हेतु।
5. प्राचार्य, शासकीय माध्यमिक शाला, ग्राम पथरिया जाट, सागर (म.प्र.)।
6. प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 सागर (म.प्र.)।
7. मान. कुलपति सचिवालय, माननीया कुलपति जी को सादर सूचनार्थ।
8. कुलसचिव जी के निजी सहायक ।
9. अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)।
10. संबंधित नस्ती।

12/09/2023

हिन्दी अधिकारी

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। - भारतेंदु हरिश्चंद्र

पेज 2 से 2 तक

अनुलग्नक - 2

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग

आपको श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी, पुणे (महाराष्ट्र)
में 14-15 सितंबर, 2023 को आयोजित होने वाले

हिंदी दिवस समारोह–2023 एवं
तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

में सादर आमंत्रित करता है।

उद्घाटन सत्र: 14 सितंबर, 2023 को प्रात: 10 बजे

मुख्य अतिथि

श्री अमित शाह
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

वर्ष 2022-23 के राजभाषा पुरस्कार प्रदान करेंगे।

विशिष्ट अतिथिगण

श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री
श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय गृह राज्य मंत्री
श्री निशिथ प्रामाणिक, माननीय गृह राज्य मंत्री

की गरिमामयी उपस्थिति होगी।

इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

उत्तरापेक्षी :
011-23438129, 23438130

अहस्तांतरणीय
कृपया सुरक्षा निर्देश अंतिम पृष्ठ पर देखें।

दिनांक: 14.09.2023, गुरुवार (पहला दिन)	
उद्घाटन सत्र – प्रातः 10:00 से 13:00 बजे	
मध्याह्न भोजन – 13:00 से 14:30 बजे	
14:30 बजे 16:00 बजे	**विषय: राजभाषा @ 2047 : विकसित भारत का भाषायी परिदृश्य (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित)** 1. श्री हरिवंश- उप सभापति, राज्यसभा 2. श्री भर्तृहरि महताब - उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति 3. श्री राकेश सिन्हा - संसद सदस्य, राज्य सभा 4. प्रो. गिरीश नाथ झा -अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
16:00 बजे 17:00 बजे	**विषय :– हिंदी के विकास में मीडिया की भूमिका** 1. श्री श्याम ज्ञानीराम अग्रवाल - संस्थापक -संपादक, आज का आनंद, पुणे 2. श्री हरीश नवल - वरिष्ठ साहित्यकार 3. श्री हेमंत शर्मा - निदेशक, टीवी - 9 भारतवर्ष
जलपान—शाम 17:00 से 17:30 बजे	
17:30 बजे 19:00 बजे	**विषय :—रोजगार के बढ़ते अवसर : हिंदी के परिप्रेक्ष्य में** 1. श्री सत्यार्थ अनिरूद्ध पंकज - आई.पी.एस., उत्तर प्रदेश 2. श्री निशांत जैन - आई.ए.एस., राजस्थान 3. श्री रवि कुमार सिहाग - आई.ए.एस., मध्य प्रदेश 4. सुश्री रूबिका लियाकत - पत्रकार, भारत 24 न्यूज चैनल
दिनांक: 15.09.2023, शुक्रवार (दूसरा दिन)	
09:15 बजे 11:00 बजे	**विषय :– भारतीय भाषाओं से सशक्त होती हिंदी** 1. श्री हृदय नारायण दीक्षित - पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विधानसभा 2. श्री चामू कृष्ण शास्त्री - अध्यक्ष, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान 3. प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण - वरिष्ठ साहित्यकार 4. श्री दामोदर खड़से - मराठी भाषाविद्
11:00 बजे 13:00 बजे	**विषय :– नराकास : राजभाषा कार्यान्वयन का प्रभावशाली मंच** 1. श्री आरिफ मोहम्मद खान - माननीय राज्यपाल, केरल 2. श्री अजय कुमार मिश्रा - गृह राज्य मंत्री 3. श्री ए.एस. राजीव - प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 4. श्री अजय कुमार श्रीवास्तव - प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, आई.ओ.बी. 5. सुश्री जहांजेब अख्तर - मुख्य आयकर आयुक्त, अमृतसर 6. डॉ. शुचिस्मिता पलाई - मुख्य आयकर आयुक्त, गाजियाबाद 7. श्री एम. नागराज - निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग), हडको
मध्याह्न भोजन – 13:00 से 14:30 बजे	
14:30 बजे 15:15 बजे	**विषय :– सर्वसुलभ, सर्वसमावेशी एवं सर्वव्यापी भाषा – हिंदी** 1. श्री चंद्रप्रकाश द्विवेदी - फिल्म निर्माता एवं निर्देशक 2. श्री सुशांत सिन्हा - पत्रकार, टाइम्स नाउ नवभारत
15:15 बजे 17:00 बजे	**विषय :– भारतीय सिनेमा और हिंदी** 1. श्री आशुतोष राणा - अभिनेता, बॉलीवुड 2. श्री आलोक श्रीवास्तव - वरिष्ठ साहित्यकार
17:00 बजे	**समापन सत्र**
जलपान—17:15 बजे से	

अनुलग्नक - 3

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) एवं भारतीय भाषा मंच, नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित

हिन्दी पखवाड़ा - 2023

हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत भाषा अध्ययनशाला, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) एवं भारतीय भाषा मंच, नई दिली के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं:-

क्रम	कार्यक्रम का नाम	दिनांक व समय	विषय	स्थान
1	भाषण प्रतियोगिता	15 सितम्बर, 2023 (दोपहर 3 बजे)	" राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मातृभाषाओं में शिक्षण"	नंददुलारे बाजपेई सभागार, हिंदी विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
2	दो दिवसीय कार्यशाला का पहला दिन	21- सितम्बर, 2023 (दोपहर 3 बजे)	हिन्दी पत्र लेखन का प्रशिक्षण	नंददुलारे बाजपेई सभागार, हिंदी विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
3	दो दिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन	22 सितम्बर, 2023 (दोपहर 3 बजे)	हिन्दी पत्र लेखन का प्रशिक्षण	नंददुलारे बाजपेई सभागार, हिंदी विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
4	पत्र लेखन प्रतियोगिता	26 सितम्बर, 2023 (दोपहर 3 बजे)	रचनात्मक लेखन	नंददुलारे बाजपेई सभागार, हिंदी विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

संयोजक

अधिष्ठाता, भाषा अध्ययन शाला

हिन्दी पखवाड़ा - 2023

अनुलग्नक - 4

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

पुरस्कार सूची

क्र.	विजेता का नाम	समन्वयक एवं निर्णायक	स्थान	
हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता, समन्वयक/निर्णायक - डॉ. सुप्रभादास, सहा.प्राध्यापक				
ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग				
1	अमित कुमार ब्योहार, (IInd Sem- BFA)		प्रथम	प्रमाण पत्र, पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।
2	वैभव कालभूत, (IInd Sem- BFA)		द्वितीय	
3	दिया शाह, (IInd Sem- BFA)		तृतीय	
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, समन्वयक/निर्णायक - श्री रोहित चौरसिया के.वि. 04				
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र.				
1	आदित्य गौतम, कक्षा 08		प्रथम	प्रमाण पत्र, पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।
2	आराध्या मिश्रा, कक्षा 08		द्वितीय	
3	वेदिका दुबे, कक्षा 08		तृतीय	
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, समन्वयक/निर्णायक - श्री बृजेश दुबे, प्राचार्य				
शासकीय माध्यमिक शाला ग्राम- पथरिया जाट				
1	कीर्ति पटेल, कक्षा 08		प्रथम	प्रमाण पत्र, पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह
2	शनि सूर्यवंशी, कक्षा 08		द्वितीय	
3	आरती पटेल, कक्षा 07		तृतीय	
हिन्दी टंकण प्रतियोगिता (कर्मचारियों हेतु) समन्वयक/निर्णायक - डॉ. के. कृष्णा राव, वरिष्ठ तकनीकी सहायक				
1	श्री दीपक मिश्रा, वित्त एवं लेखा शाखा		प्रथम	₹1000/-
2	श्री मनोज कुमार कावड़े, क्रय एवं भण्डार शाखा		द्वितीय	₹700/-
3	श्री कैलाश प्रसाद आठ्या, अधिष्ठाता संकाय गतिविधियाँ		तृतीय	₹500/-
हिन्दी टंकण हेतु प्रमाण पत्र, नगद राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।				
आशुभाषण प्रतियोगिता (अधिकारियों हेतु) समन्वयक/निर्णायक - श्री संतोष सोहगौरा, हिन्दी अधिकारी (प्र.)				
1	डॉ. संजीव सर्राफ, उपपुस्तकालयाध्यक्ष		प्रथम	₹1000/-
2	श्री माधव चंद्रा, प्रोड्यूसर		द्वितीय	₹700/-
3	श्री रूपेन्द्र जुगल चौरसिया, प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ		तृतीय	₹500/-
आशुभाषण हेतु प्रमाण पत्र, नगद राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।				

काव्याँजलि प्रतिभागिता प्रमाणपत्र	
1.	प्रो. नवीन कानगो, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग
2.	श्री संतोष सोहगौरा, हिन्दी अधिकारी (प्र.)
3.	डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर, सहायक प्राध्यापक, संगीत विभाग
4.	डॉ. महेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
5.	डॉ. अनूपी समैया, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
6.	डॉ. देवकीनंदन शर्मा, अतिथि विद्वान, मनोविज्ञान विभाग
7.	श्री शेख एहसान, क्रय एवं भण्डार शाखा
8.	श्री पंकज मिश्रा, शोधार्थी, हिन्दी विभाग
9.	सृष्टि सिंह, शोधार्थी, हिन्दी विभाग
10.	श्री हरिशंकर काछी, शोधार्थी, हिन्दी विभाग
11.	श्री अर्पित सिंह, बी.ए., हिन्दी विभाग
12.	श्री आयुष दांगी, एम.लिब, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
13.	श्री राघव यादव, एम.एस.सी. सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

हिंदी दिवस 2023
के अवसर पर
माननीय गृह मंत्री जी
का संदेश
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH · ONE FAMILY · ONE FUTURE

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

ई–मेल : hindicell2015@gmail.com
दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्रमांकः/रा.भा./2023/2067

27 सितम्बर, 2023

//आमंत्रण सूचना//

राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर हिन्दी दिवस को हिन्दी पखवाड़ा (दिनांक 14–29 सितम्बर, 2023) के रूप में मना रहा है। पखवाड़ा के दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है।

उक्त पखवाड़े का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह माननीया कुलपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 29 सितम्बर, 2023 को पूर्वाह्न 11.45 बजे जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागर में आयोजित किया जा रहा है।

उक्त समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विश्वविद्यालय के समस्त सम्माननीय शिक्षकगण अधिकारीगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थीगण एवं विभिन्न प्रतियोगिता के समन्वयकों एवं प्रतिभागियों से निवेदन है कि उक्त कार्यक्रम में पधारकर इसे सफल बनाएं।

हमें आपका इंतजार रहेगा!

भवदीय,

हिन्दी अधिकारी (प्र.)
एवं संयोजक हिन्दी पखवाड़ा–2023

प्रतिलिपि : सर्वसंबंधित।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। - भारतेंदु हरिश्चंद्र